६,००० एकड़ जमीन दह जाना

माननीय श्री कृष्ण बल्लभ सहाय:—सरकार समय समय पर केन्द्रीय सरकार का याद दिलाती रहती है कि बिहार सरकार के पत्र का उत्तर दे ।

श्री प्रभु नाथ सिंह:—गवर्नमेन्ट कमीशन बनाने जा रही है उसमें सिर्फ गंगा के दियारा के लिये है या गोगरा के लिये है ।

माननीय श्री कृष्ण बल्लभ सहाय:—यू० पी० और बिहार के बीच जो boundary के लिये झगड़ा होता है उस के सम्बन्ध में कमीशन नियुक्त किया जायेगा ।

हरिजन आबकारी सब-इन्सपेक्टर ।

५३ श्री शिवनन्दन राम : क्या आबकारी विभाग के माननीय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) १९४६ से लेकर १९४९ तक आबकारी विभाग में कितने सब-इन्सपेक्टरों की बहाली हुई है ;

(ख) उक्त पद पर हरिजन लिये गये हैं अथवा नहीं ;

(ग) अगर 'हां' तो उनके क्या नाम है, उनकी संख्या क्या है, वे किन-किन जातियों के हैं ?

श्री सुखलाल सिंह : (क) आबकारी विभाग के Sub-Inspectors की सीधे बहाली की संख्या इस प्रकार है —

सन् १९४६ में ३
सन् १९४७ में १४
सन् १९५८ में २८
सन् १९४९ में ३७

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ग) हरिजन Sub-Inspectors की संख्या, जाति और नाम इस प्रकार हैं :—

सन् १९४६ में नहीं—

सन् १९४७ में (१) श्री श्याम प्रसाद दुसाध ।
(२) श्री कैलाश चौधरी — पासी ।

सन् १९४८ में (१) श्री राम स्वरूप मोची ।
(२) श्री प्रेम चन्द्र पासी ।
(३) श्री काशीनाथ धोबी ।

सन् १९४९ में (१) श्री वंशीराम चमार।
(२) श्री हरखु चौधरी पासी।
(३) लक्ष्मी पासवान दुसाध।
(४) चन्द्रदीप चौधरी — पासी।
(५) बन्धुराम चमार।

श्री जगन्नाथ सिंह : क्या सरकार को मालूम है कि सब-इन्सपेक्टर की बहाली उनकी जनसंख्या के अनुपात से कम हुई है?

श्री सुखलाल सिंह : योग्यतानुसार नियुक्ति हुई है।

श्री जगन्नोथ सिंह : क्या सरकार को मालूम है कि एक्साइज इन्सपेक्टस की जितनी योग्यता आजश्यक है उतनी योग्यता रखने वाले हरिजन काफी हैं?

श्री सुखलाल सिंह : नहीं

श्री रामगुलाम चौधरी : सरकार क्या यह बतलाने की कृपा करेगी कि सन् १९४६ में कितनी जगह Inspectors के थे और कितने हरिजन लिये गये?

श्री सुखलाल सिंह : अभी सब-इन्सपेक्टर की बात है।

श्री रामगुलाम चौधरी : मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि १९४६ में कितने Seats Sub-Inspectors के थे और कितनी दरखास्तें आई थीं और कितने हरिजन लिए गये?

श्री सुखलाल सिंह : यह तुरन्त नहीं कहा जा सकता है। इसके लिए नोटिश दीजिये।

श्री रामगुलाम चौधरी : क्या सरकार यह बतलाने की कृपा करेगी कि जिनकी बहाली हुई है उनका पता क्या है और ये लोग कहां कहां पर हैं?

श्री सुखलाल सिंह : कहां के थे यह बतला सकता हूं मगर अभी कहां हैं यह नहीं बतला सकता हूं।

श्री भागवत प्रसाद : अभी जो नियुक्ति बतलाई गई है उससे पता चलता है कि ८३ सब-इन्सपेक्टर की बहाली की गई है और उसमें ७ हरिजन आये। तो मैं जानना चाहता हूं कि कितने हरिजन उम्मीदवार थे?

श्री सुखलाल सिंह : अभी इसका जबाब देना मुश्किल है। इसके लिए अलग सूचना दीजिये।

श्री शक्ति कुमार : हरिजन जो नौकरी के लिए application देते हैं वे सिर्फ अपनी योग्यता लिख देते हैं या 'हरिजन' भी लिखते हैं ? सरकार कैसे समझती है कि अमुक उम्मीदवार 'हरिजन' है ?

श्री सुखलाल सिंह : वे जाति भी लिखते हैं।

श्री शक्ति कुमार : जब सरकार समझती है कि अमुक जाति के लोग 'हरिजन' हैं तो ऐसी परिस्थिति में उनको सरकार preference क्यों नहीं देती है ?

श्री सुखलाल सिंह : सरकार हरिजनों को बहाली के समय बराबर preference देती आरही है।

श्री शक्ति कुमार : क्या सरकार आगे कोशिश करेगी कि हरिजन लोगों को नौकरियों में काफी स्थान मिल सके ?

श्री सुखलाल सिंह : यह कोशिश तो हमेशे रहती है।

माननीय श्री अब्दुल क्युम अंसारी : उपाध्यक्ष महोदय, कल के तारांकित प्रश्न ४३ के उत्तर में शरनार्थियों की संख्या बतलाते हुए मैंने कहा था कि साढ़े ५ हजार शरनार्थी भरतपुर से होकर बिहार में आये। उसके रेकर्ड देखने से पता चला कि जो शरनार्थी भरतपुर से होकर आये थे वे बहावापुर के रहने वाले थे। इसलिए मैंने उचित समझा कि यह साफ हो जाय।

उपाध्यक्ष : अब बजट पर सामान्य बाद-विवाद प्रारम्भ होगा और भाषणों का समय कल की तरह ही सीमित रहेगा।

१९५०-५१ के आय-व्यय पर साधारण वाद-विवाद।

General discussion on the Budget for the year 1950—51

माननीय सदस्य मे भाषण संशोधित नहीं किया।

श्री जगदीश नारायण सिंह : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट को सावधानी से पढ़ने के बाद माननीय अर्थ मंत्री को मैं धन्यवाद किए बिना नहीं रह सकता। उन्होंने इस बजट के हरेक अंगों पर ध्यान दिया है और प्रगतिशील बजट को हमलोगों के सामने पेश किया है। इसमें कोई सन्देह नहीं है कि बिहार सरकार के सामने आर्थिक कमी है और खासकर केन्द्रीय सरकार के द्वारा सहायता हम कर देने के कारण और भी हमारी